

परिवर्तिका स्त्री. (तत्.) एक प्रकार का क्षुद्र रोग, लिंग चर्म पर खुजलाने से/रगड़ने/दबाने या चोट लगने से होने वाला रोग।

परिवर्तित वि. (तत्.) 1. जिसका आकार या रूप बदल गया हो, जिसमें परिवर्तन किया गया हो, बदला हुआ 2. जो किसी के परिवर्तन में या बदले में मिला हो 3. जिसका परिवर्तन हो गया हो।

परिवर्तिनी स्त्री. (तत्.) भादों माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी।

परिवर्ती वि. (तत्.) 1. स्थिर न रहने वाला, सदा घूमते रहने वाला 2. परिवर्तनशील, सदा बदलते रहने वाला 3. परिवर्तन या विनिमय करने वाला।

परिवर्तुल वि. (तत्.) 1. एकदम गोल, पूर्णतः गोल, वर्तुल।

परिवर्द्धित वि. (तत्.) 1. बढ़ा हुआ, बढ़ाया हुआ, परिवर्द्धन किया गया, जिसमें पूर्ण वृद्धि की गई हो, जिसमें ऊपर से या अलग से कुछ जोड़ा गया हो वि. 2. संख्या में, गुण में या सौंदर्य आदि में बढ़ोतरी होना, सम्यक् वृद्धि, परिवर्द्धि जैसे- पुस्तक परिवर्द्धन के साथ प्रकाशित हुई है।

परिवर्म वि. (तत्.) बर्फ से ढका हुआ, जिरहपोश, बख्तर से ढका हुआ।

परिवर्ह पुं. (तत्.) 1. चँवर, छत्र, राजचिह्न, राजत्व सूचक वस्त्र 2. धन, संपत्ति 3. गृह की वस्तुएँ 4. राजा-महाराजा के अनुचर, दल-बल 5. आवश्यक, जीवनोपयोगी।

परिवसथ पुं. (तत्.) ग्राम, गाँव।

परिवह पुं. (तत्.) 1. सात पवनों में से एक, छठा पवन 2. अग्नि की सात जिह्वाओं में से एक।

परिवहन पुं. (तत्.) यात्रियों को तथा माल को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना, ढोना, लाने-ले जाने का कार्य जैसे- बस, ट्रक, मोटर, जहाज, नाव आदि साधन के रूप में।

परिवाँण पुं. (देश.) घेरा, विस्तार, परिमाण।

परिवा स्त्री. (देश.) 1. किसी पक्ष की पहली तिथि, शुक्ल पक्ष की या कृष्ण पक्ष की पहली तिथि 2. अमावस्या या पूर्णिमा के दूसरे दिन की तिथि, पड़िवा 3. प्रतिपदा।

परिवाद पुं. (तत्.) 1. निंदा, बुराई करना, शिकायत 2. बदनामी, मिथ्या दोषारोपण 3. किसी असुविधा या कठिनाई विषयक शिकायत 4. लोहे के तार से बना छल्ला जो वीणा बजाने के काम आता है।

परिवादक पुं. (तत्.) 1. परिवाद करने वाला, शिकायत करने वाला 2. बीन, वीणा या सितार बजाने वाला वि. निंदक, परिवाद करने वाला।

परिवादिनी स्त्री. (तत्.) 1. ऐसी बीन जिसमें सात तार होते हैं 2. परिवाद करने वाली स्त्री, निंदा करने वाली स्त्री।

परिवादी वि. (तत्.) 1. निंदा करने वाला 2. आरोप लगाने वाला पुं. निंदक, परिवादक।

परिवाप वि. (तत्.) 1. बोना 2. जलाशय, जल स्थान 3. घर का उपयोगी सामान 4. मुंडन 5. भुना हुआ चावल, लावा, खील 6. गाढ़ा दूध, जमा हुआ दूध 7. अनुचर।

परिवापन पुं. (तत्.) मुंडन, मूँडना।

परिवापित वि. (तत्.) मुंडित, मूँड़ा हुआ।

परिवार पुं. (तत्.) 1. ढकने वाली कोई वस्तु, आवरण 2. दोष 3. तलवार की खोल, म्यान 4. राजा की सवारी के पीछे-पीछे उसे घेरकर चलने वाले अनुचर 5. अपने भरण-पोषण के लिए किसी विशेष व्यक्ति के आश्रित लोग 6. एक ही परिवार या कुल में उत्पन्न मनुष्यों का समुदाय जैसे- भाई, बेटे, बहन आदि सगे-संबंधी, स्वजनों या आत्मीयों का समुदाय, कुटुंब, कुनबा 7. एक स्वभाव या धर्म की वस्तुओं का समूह, कुल 8. किसी विशिष्ट गुण, संबंध आदि के विचार से चीजों का बनने वाला वर्ग जैसे- आर्य परिवार, भारोपीय भाषा-परिवार।